



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासक द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 21 फरवरी, 2003/2 फाल्गुन, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, सोलन; जिला सोलन; हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

सोलन, 3 फरवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76(पंच)/2002-740-45.—यह कि श्री देवी दयाल, सदस्य ग्राम पंचायत मुरजपुर, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ण) की ओर आकृष्ट किया जाता है।

(ण) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है। परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निहरंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथा स्थिति हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान है। अब तक एक वर्ष की अवधि के पश्चात और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 2000, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा 122 के खण्ड (ण) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावी होता है।

यह कि विकास खण्ड अधिकारी, धर्मपुर, ने अपने पत्र संख्या डी पी (पंच) 2002-2003-104, दिनांक 14-1-2003 द्वारा सूचित किया है कि श्री देवी दयाल, सदस्य, ग्राम पंचायत सुरजपुर, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन (हि० प्र०) के 8 जून, 2001 के पश्चात् दो से अधिक चौथी सन्तान दिनांक 6-12-2002 को हुई है। जिसके कारण हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) के प्रावधान अनुसार वह सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य है।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त वर्णित अयोग्यता के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

सोलन, 3 फरवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76 (पंच)/2002-716-21.—यह कि श्री विजय कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत दंधील, वार्ड नं० 3, विकास खण्ड कण्डाघाट, जिला सोलन (हि० प्र०) का ध्यान हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ण) की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। जो कि निम्न प्रकार है।

(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निहरता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथास्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान नहीं होती। अब तक एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावी होता है।

यह कि विकास खण्ड कण्डाघाट ने अपने पत्र संख्या के० जी० बी०-पंच/96 (दंधील)-332, दिनांक 29-1-2003 द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री विजय कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत दंधील, वार्ड नं० 3, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश के 3 जून, 2001 के पश्चात् दो से अधिक पांचवी सन्तान, दिनांक 10-7-2001 को हुई है। जिसके कारण पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) के प्रावधान अनुसार वह सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य हो गये हैं।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त वर्णित अयोग्यता के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

कार्यालय आदेश

सोलन, 10 फरवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76(पंच)/2002-784-90.—यह कि श्री देवीन्द्र कुमार, सदस्य, वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत बखलग, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश को इस कार्यालय द्वारा कारण बताओ नोटिस पंजीकृत संख्या

सोलन-3-76 (पंच)/2003-166-71 दिनांक 16-1-2003 द्वारा 15 दिनों के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए थे कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 के खण्ड (ण) के अन्तर्गत सदस्य के पद पर पदसीन रहने के अयोग्य मानते हुए पद को रिक्त घोषित किया जाए ।

क्यों कि श्री देवीन्द्र कुमार, सदस्य, वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत बखलग, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन से कारण बताओ नोटिस पर निर्धारित अवधि में कोई स्पष्टीकरण इस कार्यालय को प्राप्त नहीं हुआ है । जिससे यह स्पष्ट होता है कि कारण बताओ नोटिस के बारे में उन्हें कुछ नहीं कहना है और उसमें लगाए गए आरोप सही है । पंचायत पदाधिकारियों के दो सन्तानों से अधिक सन्तान होने पर अयोग्यता का प्रावधान 8 जून, 2000 को पंचायती राज अधिनियम में लाया गया, परन्तु इस प्रावधान पर अमल की छूट 8 जून, 2001 तक दी गई थी । इस प्रकार वर्णित प्रावधान में प्रत्येक पंचायती राज पदाधिकारी, जिसके 8 जून, 2001 के पश्चात दो सन्तान से अधिक सन्तान उत्पन्न होती है । वह अपने पद पर बने रहने के अयोग्य है । अगर वर्णित तथ्यों के प्रकाश में श्री देवीन्द्र कुमार, सदस्य, वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत बखलग, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश का सदस्य पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 व सम्बन्धित नियमों में उद्धृत प्रावधानों के प्रतिकूल होगा ।

अतः मैं, भरत खेडा (भा० प्र० से०), उपायुक्त, सोलन, जिला सोलन उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 122(1) के खण्ड (ण) व 122(2) के अधीन प्राप्त हैं श्री देवीन्द्र कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत बखलग, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश को तत्काल सदस्य पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 131(1) के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत बखलग, वार्ड नं० 1, विकास खण्ड कुनिहार के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ ।

भरत खेडा;
उपायुक्त, सोलन,
जिला सोलन (हि० प्र०) ।

